क्या आप पवित्र आत्मा की उपस्थिति को अपने करीब महसूस करना चाहते
हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के नाम को धन्यवाद और जय हो।

आज हम यह सीखेंगे कि कैसे पवित्र आत्मा की उपस्थिति को अपने करीब बुलाया जाए। इस बारे में तीन मुख्य बातें हैं जो परमेश्वर की उपस्थिति को हमारे नजदीक लाती हैं।

प्रार्थना

यह पहला और सबसे महत्वपूर्ण तरीका है जिससे हम पवित्र आत्मा की उपस्थिति को अपने अंदर बनाए रखते हैं। जब हम प्रार्थना में जाते हैं, तो पवित्र आत्मा हमारे और भी करीब आ जाता है। वह हमारे साथ प्रार्थना करता है (रोमियों 8:26) और हमारे मन की बातें परमेश्वर के सामने रखता है।

अगर आप बाइबल पढ़ते हैं, तो याद होगा जब प्रभु यीशु का यरदेन नदी में यूहन्ना द्वारा बपतिस्मा हुआ था, उस समय पवित्र आत्मा कबूतर के रूप में उन पर उतर आया था।

लेकिन उस घटना में एक रहस्य छुपा है, जो जल्दी पढ़ने पर समझ में नहीं आता। वह रहस्य है—प्रार्थना! बपतिस्मा लेने के बाद, प्रभु यीशु ने

क्या आप पवित्र आत्मा की उपस्थिति को अपने करीब महसूस करना चाहते
हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

प्रार्थना की, और उसी समय आकाश खुल गया और पवित्र आत्मा उन पर उतरा।

लूका 3:21-22
“और जब सब लोग बपतिस्मा ले चुके थे, यीशु भी बपतिस्मा लिया, और वह प्रार्थना कर रहा था; और आकाश खुल गया।
और पवित्र आत्मा कबूतर के समान उस पर उतरा; और आकाश से आवाज आई, ‘तू मेरा प्रिय पुत्र है, जिसमें मुझे प्रसन्नता हुई।’”

देखा आपने? पवित्र आत्मा बपतिस्मा के समय नहीं, बल्कि प्रार्थना के समय उतरता है।

इसी तरह पेंटेकोस्ट (पंचांग दिवस) पर, जब प्रेरित और शिष्य एक साथ एक स्थान पर प्रार्थना कर रहे थे, पवित्र आत्मा ने उन पर उतरकर उन्हें शक्ति दी (प्रेरितों के काम 1:13-14, 2:1-2)।

और भी कई जगह हैं जहाँ पवित्र आत्मा प्रार्थना के समय उतरता है।

प्रेरितों के काम 4:31
“और जब उन्होंने प्रार्थना की, तो जब वे एक स्थान पर इकट्ठे थे, तब वे पवित्र आत्मा से भर गए और परमेश्वर के वचन को साहसपूर्वक बोलने लगे।”

अगर हम भी पवित्र आत्मा की उपस्थिति को अपने अंदर महसूस करना चाहते

क्या आप पवित्र आत्मा की उपस्थिति को अपने करीब महसूस करना चाहते
हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

हैं, तो हमें प्रार्थना से दूर नहीं भागना चाहिए। अगर हम यह सुनना चाहते हैं कि वह हमसे क्या कहना चाहता है, तो इसका एकमात्र रास्ता प्रार्थना है।

अगर आपको प्रार्थना करना नहीं आता, तो यह बहुत आसान है। अगर आप प्रार्थना करने का तरीका जानना चाहते हैं, तो मुझे मैसेज करें, मैं आपको “प्रार्थना करने का सर्वोत्तम तरीका” सिखाऊंगा।

वचन पढ़ना

यह दूसरा महत्वपूर्ण तरीका है जिससे हम पवित्र आत्मा की उपस्थिति को अपने करीब ला सकते हैं। पवित्र आत्मा का एक कार्य हमें मार्गदर्शन देना और सच्चाई में चलना है (यूहन्ना 16:13-14)। और सच्चाई परमेश्वर का वचन है (यूहन्ना 17:17)। जब हम बाइबल पढ़ने का समय निकालते हैं, तो पवित्र आत्मा हमारे बहुत करीब आ जाता है।

हम सीख सकते हैं उस विद्वान की कहानी से, जो विदेश से लौटते समय रास्ते में यशायाह 53 का एक अंश पढ़ रहा था, जिसमें मसीह यीशु की बातें थीं। लेकिन उसके पास उस बारे में कोई समझ नहीं थी, तब पवित्र आत्मा ने काम शुरू किया, उसे सत्य में लाने के लिए।

प्रेरितों के काम 8:29-39 में लिखा है कि पवित्र आत्मा ने फिलिप्पुस

क्या आप पवित्र आत्मा की उपस्थिति को अपने करीब महसूस करना चाहते
हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

को उस विद्वान के करीब जाने को कहा। फिलिप्पुस ने उसे समझाया, और अंत में वह विश्वास कर बपतिस्मा लिया।

पवित्र आत्मा वही है जो यीशु के साथ था और उसकी स्वभाव वही है। यदि हम चाहते हैं कि वह हमें नजदीक आए, हमें भी उसका वचन पढ़ना होगा।

सुसमाचार प्रचार/साक्ष्य देना

प्रभु का सबसे बड़ा आदेश है कि हम सुसमाचार को पूरी दुनिया में फैलाएं।

मरकुस 16:15-16
“और उन्होंने उनसे कहा, ‘जाओ और सारी सृष्टि में सुसमाचार सुनाओ।
जो विश्वास करेगा और बपतिस्मा लेगा, वह उद्धार पाएगा; जो विश्वास नहीं करेगा, वह दंडित होगा।’”

जब हम किसी स्थान पर जाकर साक्ष्य देते हैं, तो हम पवित्र आत्मा के उपकरण बन जाते हैं। इसलिए पवित्र आत्मा को हमेशा हमारे साथ रहना पड़ता है, क्योंकि हम उसके द्वारा काम कर रहे होते हैं।

मत्ती 10:18-20
“और आप लोगों को प्राणियों और राजाओं के सामने मेरे कारण ले जाया

क्या आप पवित्र आत्मा की उपस्थिति को अपने करीब महसूस करना चाहते
हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

जाएगा, ताकि वे उनके लिए साक्षी बनें।
और जब वे आपको पकड़कर दें, तो चिंता न करें कि आप क्या कहेंगे, क्योंकि उस समय आपको क्या कहना है, वही आपको दिया जाएगा।
क्योंकि आप नहीं बोलेंगे, बल्कि आपके पिता की आत्मा जो आप में बोलती है, वही बोलेगी।”

इसलिए यदि हम हमेशा यीशु का साक्ष्य देते रहेंगे, तो पवित्र आत्मा हमारे भीतर बोलता रहेगा और हम उसकी उपस्थिति हर समय महसूस करेंगे। लेकिन यदि हम उसके साक्ष्य देने के वातावरण में नहीं रहेंगे, तो पवित्र आत्मा हमारे साथ नहीं रह पाएगा।

क्या आपने आज यीशु को स्वीकार किया है?

और यदि हाँ, तो क्या आप प्रार्थक हैं? क्या आप वचन के पाठक हैं? क्या आप साक्षी हैं? यदि नहीं, तो आप पवित्र आत्मा की उपस्थिति को कैसे सुन पाएंगे या महसूस कर पाएंगे?

आज शैतान ने बहुत से ईसाइयों को प्रार्थना से दूर कर दिया है। आपको ऐसा ईसाई मिलेगा जो खुद के लिए एक घंटा भी प्रार्थना नहीं करता, पर दूसरों की प्रार्थना सुनना या प्रवचन पढ़ना पसंद करता है। ऐसा ईसाई लंबे समय तक स्वयं बाइबल भी नहीं पढ़ता, और जब बाइबल में किसी पुस्तक के बारे में पूछा जाए, तो नहीं जानता।

क्या आप पवित्र आत्मा की उपस्थिति को अपने करीब महसूस करना चाहते
हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

आज ऐसे बहुत से ईसाई हैं जो दूसरों के जीवन की बातें याद रखते हैं, लेकिन उद्धार की बातें या यीशु की साक्षी देने की बातें भूल गए हैं।

याद रखिए, प्रभु चाहता है कि वह हमसे ज़्यादा हमारे करीब हो। इसलिए हमारा कर्तव्य है कि हम प्रार्थना, वचन पढ़ना, साक्षी देना और पवित्र जीवन जीने में परिश्रम करें।

मारानथा!

कृपया इस शुभ समाचार को दूसरों के साथ भी साझा करें।

Share on:
WhatsApp

Print this post